



युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब के साथ युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि देवार बस्ती मछली मार्केट के पास खुर्सीपार भिलाई के पास शराब बेचने की सूचना मिली थी। घेराबंदी कर बोलबम चौक केनाल रोड खुर्सीपार निवासी पारस को पकड़ा गया। उसके पास से पुलिस ने 30 देशी पौवा, रुकम 160 रुपए जब्त किया गया है। आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत जुर्म जर्ज किया है। गिरफ्तार कर युवक को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया।

डीईओ ने बुलाई प्राचार्यों और बीईओ की बैठक

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीरे ने जिले के सभी प्राचार्यों एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) की बैठक आयोजित की है। बैठक में शिक्षा विभाग से जुड़े 20 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा एवं समीक्षा की जाएगी। एजेंडे में त्रैमासिक परीक्षा की तैयारी, लंबित पेंशन प्रकरणों का निराकरण, न्यायालयीन मामलों की समीक्षा, छात्रवृत्ति, जाति प्रमाण पत्र, ऑनलाइन उपस्थिति, अनाधिकृत अनुपस्थिति पर कार्रवाई तथा मान्यता प्राप्त विद्यालयों के निरीक्षण जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा विद्यालयों में कार्यरत एवं रिक्त पदों की जानकारी, आरटीई, समग्र शिक्षा, स्वच्छता, गणवेश वितरण, पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता, सरस्वती सायकल योजना, पोषण सम्मान योजना तथा खोजे गए शिक्षकों की व्यवस्था पर भी चर्चा होगी। बैठक में स्कूलों में प्रविष्टि, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों की भी समीक्षा की जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे एजेंडावार आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेजों के साथ बैठक में उपस्थित होने के लिए कहा है।

पुलिस ने दो दिनों में 247 न्यायालयीन वारंट तामील किया

भिलाई। पुलिस ने अभियान चलाकर लंबित न्यायालयीन वारंटों की प्रभावी तामिली के लिए विशेष अभियान चलाया। जिसमें जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमों ने कार्रवाई करते हुए दो दिन में 247 न्यायालयीन वारंट तामील किया। अभियान के तहत लंबे समय से लंबित न्यायालयीन वारंटों की प्रभावी तामिली बेहतर करना, न्यायालयीन प्रक्रिया के क्रियान्वयन में पुलिस स्तर से आवश्यक कार्रवाई करना रहा है। लंबित न्यायालयीन वारंटों की तामिली के लिए अभियान चला कर जिले के थाना क्षेत्रों की



पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में वारंटियों की पतासाजी कर तामिली के लिए कार्रवाई किया। पुलिस टीमों द्वारा उपलब्ध न्यायालयीन अभिलेखों में दर्ज जानकारी का परिीक्षण कर वारंटियों के संभावित निवास, ठिकानों की पहचान की गई। अभियान के दौरान मारपीट, चाकूबाजी, आर्म्स एक्ट, आबकारी

अधिनियम, एनआई एक्ट सहित प्रकरणों से जुड़े लंबित वारंटों पर कार्रवाई की गई। जिसमें 69 स्थाई वारंट भी शामिल हैं।

थाना-वार वारंट तामिली :

अभियान के तहत इन थानों में कुल वारंट 247 तामिली कराई गई। जिसमें थाना दुर्ग कोतवाली 23, छावनी 15, मोहन नगर 21,

खुर्सीपार 16, कुम्हारी 3, भिलाई भट्टी 6, भिलाई नगर 3, पद्मनाभपुर 15, पुरानी भिलाई 6, सुपेला, चौकी स्मृति नगर 27, उतई 4, वैशाली नगर 1, जामुल 3, नंदिनी नगर 14, नेवई 14, थाना पुलगांव 7 वारंट तामिली हुए। इसके अलावा उपलब्ध थाना-वार आंकड़ों का योग 178 वारंट और स्थाई वारंट 69 है। अभियान के तहत विभिन्न न्यायालयीन प्रकरणों में लंबित वारंटों की तामिली की गई। वारंटियों के नाम, उम्र, पता, अपराध धाराएं, न्यायालय का विवरण पुलिस अभिलेखों में दर्ज है।

मिलाई निगम की एमआईसी बैठकों में गुमनाम केटरर्स पहुंचा, हजारों रुपए का चाय-नाश्ता, बिल का हो गया भुगतान

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई की मेयर इन काउंसिल यानि एमआईसी पर फर्जी बिल बनाने का बड़ा आरोप लगा है। कलेक्टर को दी गई आप की

■ **कलेक्टर से शिकायत कर असलियत उजागर करने लिखा पत्र**

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एमआईसी की बैठकों में एक ऐसा केटरर्स चाय-नाश्ता की सपलाई करता था, जो अस्तित्व में है ही नहीं। निगम ने उस केटरर्स को फर्जी बिल का भुगतान भी कर दिया, लेकिन अब

उस केटरर्स या उसके संचालक का कहीं पता नहीं चल रहा है। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष जसप्रीत सिंग ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह से लिखित शिकायत कर दस्तावेजों में दर्ज चाहत केटरर्स के नाम से किए गए भुगतान को सख्ति बताते हुए वित्तीय अनियमितता और शासकीय राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत निगम की अंतिम एमआईसी बैठकों में चाय-नाश्ते और अल्पाहार पर हुए खर्च से संबंधित बिल एवं भुगतान वाउचर की प्रमाणित प्रतियां मांगी थीं। प्रथम अपील करने

पर निगम की ओर से उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर कुछ बिल और भुगतान को लेकर गंभीर सवाल सामने आए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि निगम द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में 'चाहत केटरर्स, शॉप नंबर 4, गोल मार्केट, भिलाई' के नाम से 16 और 17 मार्च 2026 के बिल शामिल हैं। उनका दावा है कि गोल मार्केट में मौके पर जांच करने पर इस नाम की कोई दुकान नहीं मिली। बिल में दर्ज संपर्क नंबर पर बात करने पर भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने इसे पूरे भुगतान की प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच का आधार बताया है।



जर्नल वाउचर से भुगतान पर भी सवाल

झापा में 29 जुलाई के जर्नल वाउचर का भी उल्लेख किया गया है। आरोप है कि सचिवालय के कर्मचारियों के नाम पर दस्तवी रसीद दर्शाते हुए शासकीय राशि का भुगतान किया गया। शिकायतकर्ता ने इस भुगतान की वैधता और प्रक्रिया की भी जांच कराने की मांग की है। जसप्रीत सिंग ने कलेक्टर से मांग की है कि एमआईसी बैठकों के चाय-नाश्ते एवं अल्पाहार से संबंधित सभी बिल, वाउचर, भुगतान रिकॉर्ड और संबंधित फर्म की वास्तविकता की स्वतंत्र जांच कराई जाए। साथ ही दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों अथवा अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए।

महापौर ने जानकारी होने से किया मना

मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। एक एमआईसी की बैठक में चाय नाश्ता का मामूली खर्च आता है, जो पास के किसी कैटीन या दुकान से मंगा लिया जाता है। जिस केटरर्स की बात बोले रहे हैं उसके बारे में जानकारी लेकर ही जानकारी दे पाऊंगा।

-नीरज पाल, महापौर, नगर पालिक निगम भिलाई

खाड़ी में ये द्रोणिकाएं हैं सक्रिय

मानसून द्रोणिका मध्य समुद्र तल पर श्रीगंगानगर, रोहतक, कानपुर, प्रयागराज, चिन्हित निम्न दाब के क्षेत्र के केंद्र, रांची, दौघा और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भाग, चिन्हित निम्न दाब के क्षेत्र के साथ स्थित ऊपरी हवा के चक्रीय चकवाती परिसंचरण, झारखंड, गंगेदिक पश्चिम बंगाल होते हुए 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा द्रोणिका उत्तर पूर्व अरब सागर से चिन्हित निम्न दाब के क्षेत्र के साथ ऊपरी हवा के चक्रीय चकवाती परिसंचरण तक 3.1 किलोमीटर से 4.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। पश्चिमी दक्षिण 70 डिग्री पूर्व और 30 डिग्री उत्तर में स्थित है।

न्यू ल बैंक खाता : राजस्थान से पकड़ा गया आरोपी युवक

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

म्यू ल खाते का उपयोग करने वाले युवकों को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार किया है। एएसपी मणीशंकर चंद्रा ने बताया कि भिलाई नगर पुलिस ने शिकायत के बाद

■ **पांच आरोपियों का बयान व साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई**

साक्ष्यों का विश्लेषण और पूर्व में गिरफ्तार हुए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर युवक को गिरफ्तार किया गया। युवक का नाम ग्राम बना, थाना खेरवा, तहसील वल्लभनगर, जिला उदयपुर, राजस्थान निवासी रमेश सुथार है। पुलिस जांच में पूर्व में गिरफ्तार हुए

कुल 5 आरोपियों का बयान, मिले साक्ष्यों के आधार पर रमेश सुथार के प्रकरण में शामिल होने की खबर सामने आई। आरोपी द्वारा अन्य आरोपियों के साथ मिलकर पीड़ित से ऑनलाइन ठगी कर राशि को म्यू ल बैंक खातों से आहरित कर उपयोग किए जाने का अहम सुराग हाथ लगा है। पुलिस ने टीम बनाकर राजस्थान पहुंची जहां आरोपी रमेश के संभावित ठिकानों पर दबिश दिया गया। साक्ष्यों के आधार पर रमेश को गिरफ्तार किया गया। न्यायालय के समक्ष आरोपी को पेश कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

धारदार हथियार दिखाकर डराने वाले युवकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

धारदार हथियार लेकर लोगों को धमकाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर कोसानगर में धारदार लोहे का हथियार लेकर आने-जाने वाले लोगों को धमकाने वाले की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर युवकों ने अपना नाम कृष्णा नगर सुपेला निवासी ईरजाद कुरैशी, डेरा

बस्ती, फरीद नगर सुपेला में हथियार लहराने वाले न्यू कृष्णा नगर बजरंग गायकवाड होना बताया है। दोनों के पास से पुलिस ने लोहे का हथियार जब्त किया है।

एक लाख किसानों ने कराया फसल बीमा

हरिभूमि न्यूज ►►मिलाई

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिले में खरीफ 2026 में 1 लाख 5 हजार 181 हेक्टेयर क्षेत्र में

■ **पिछले साल से पांच हजार हेक्टेयर ज्यादा बीमा**

विभिन्न फसलों का बीमा कराया गया है। धान सिंचित क्षेत्र में 90 हजार 247 हेक्टेयर तथा धान असिंचित क्षेत्र में 13 हजार 862 हेक्टेयर क्षेत्र का बीमा हुआ है। इसके अलावा सोयाबीन में 1

हजार 45 हेक्टेयर तथा अरहर में 27 हेक्टेयर क्षेत्र बीमित हुआ है। सघन अभियान के परिणामस्वरूप खरीफ 2026 में धान सहित विभिन्न खरीफ फसलों के बीमा क्षेत्र में गत वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गत वर्ष लगभग 1 लाख 186 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों का बीमा हुआ था, जबकि इस वर्ष 5 हजार हेक्टेयर अधिक अतिरिक्त क्षेत्र को फसल बीमा के दायरे में लाया गया है। खरीफ 2026 में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत 3 लाख 44 हजार 682 ऋणी किसान के आवेदन एवं 5 हजार 600 अग्रणी किसान के आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसके माध्यम से लगभग 89 हजार 316 किसानों ने अपनी फसलों का बीमा कराया है। इन किसानों की

फसलों के बीमा के लिए कुल 13 करोड़ 40 लाख रूपए प्रीमियम राशि के रूप में बीमा कंपनी को प्राप्त हुई है। कृषि उपसंचालक संदीप भाई ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर किए गए व्यापक प्रचार-प्रसार, किसानों से सीधे संपर्क तथा बीमा कंपनी के मैदानी अमल के समन्वित प्रयासों से किसानों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रति जागरूकता बढ़ी है। विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों और उनके फसल क्षेत्र को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाकर प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिफल मौसम से होने वाले संभावित फसल नुकसान के विरुद्ध किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है।

सस्ता

सस्ता

सस्ता

न्यू ओम ज्वेलर्स

शायी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरावटी के बहने उपलब्ध

मितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री

ओम ज्वेलर्स

916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध आज ही पधारें

सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है

★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा

★ टोटल हाल मार्क जेवर

★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री

★ थियेयरिंग फ्री

शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

लोक कलाकारों ने निकाली भव्य झांकियां, छत्तीसगढ़ महतारी का किया वंदन

हरिभूमि न्यूज़

►► जामुल

जामुल नगर में छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना एवं जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में भव्य सांस्कृतिक आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन जामुल नगर के लिये आकर्षक का केंद्र बन गया । हजारों की भीड़ के साथ विभिन्न छत्तीसगढ़िया लोक कलाकारों के दल के साथ भव्य झांकियां निकाली गईं। छत्तीसगढ़ महतारी मूर्ति एसीसी चौक जामुल से शुरु हुई यह विशाल शोभायात्रा रावण भाठा जामुल के मुक्तांगन में जाकर संपन्न हुई। रात्रिकालीन आयोजन में सभा साहू कृत नवार्ग छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम उतर्ते ने आयोजन को यादगार बना दिया। बीच-बीच में हो रहे बारिश से भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। सभा को छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.

छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना का भव्य सांस्कृतिक आयोजन, मजदूर नेता शंकर गुहा नियोगी को याद किया वक्ताओं ने



अजय यादव एवं मार्गदर्शक ललित बघेल ने संबोधित किया। अजय यादव ने अपने संबोधन में शहीद शंकर गुहानियोगी को याद करते हुए कहा कि जामुल उनका एवं छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा का केंद्र बिंदु रहा है। जामुल नगर अन्याय एवं शोषण से लड़ने वालों की धरती रही है। आज फिर उन्ही वर्गों द्वारा सत्ता के संरक्षण में छत्तीसगढ़ियों का शोषण चरम पर पहुंच गया है। उन्होंने सभी क्रान्तिकारियों से एक होकर चलने का आह्वान किया। स्कूली व्यवस्था के ध्वस्त होने, किसानों के बدهाल होने, प्रदेश के युवाओं को शराब और सूखे नशे में डूबाने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ियों के साथ प्रबंधन के भेदभावपूर्ण रवये को

तर्कपूर्ण ढंग से समझाते हुए डॉ.अजय यादव ने वर्तमान सरकार को दोषी ठहराया। आगामी नगर पालिका चुनाव में नगरवासियों से दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को छोड़कर छत्तीसगढ़ियावादी नगर सरकार बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर क्रान्ति सेना के प्रदेश महामंत्री यशवंत वर्मा, जेसीपी महासचिव भूषण साहू, क्रान्ति सेना युवा प्रदेश अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा, प्रदेश पदाधिकारी अरुण गंधर्व, धर्मेंद्र चंद्रासस सहित जिला अध्यक्ष जागेश्वर वर्मा, जेसीपी उपाध्यक्ष अप्पू मेश्राम, रिशी साहू, पप्पू मेश्राम, पूरण साहू, रोशनी साहू एवं नगर जेसीपी अध्यक्ष कमल पटेल करुणा गंधर्व उपस्थित रहे । सभा का संचालन मधुकांत साहू ने किया।

खबर संक्षेप



एनएमएमएसई में प्रथम स्थान प्राप्त कर पायल ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

कुम्हारी। पीएम श्री सेजस कुम्हारी की कक्षा आठवीं की प्रतिभावान छात्रा पायल राजानी ने राष्ट्रीय साधन-सह-मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा एनएमएमएसई में छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। पायल राजानी को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए राज्य के उत्कृष्ट विद्यार्थियों के साथ महामहिम राष्ट्रपति से मिलने का गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। विगत 28 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस विशेष मुलाकात में पायल ने राज्य के अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के साथ सहभागिता की। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।

धमधा में संस्कृत सप्ताह समारोह का समापन

विद्यार्थियों द्वारा सप्ताह भर की गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण करने के साथ-साथ नगर में एक विशाल संस्कृत शोभायात्रा निकाली गई, जिसका उद्देश्य देवभाषा संस्कृत और भारतीय संस्कृति के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर क्षेत्र के अतिथियों के रूप में कल्याण सिंह चौहान, पवन देवांगन, विष्णु ताम्रकार एवं जवाहर साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। शोभायात्रा में ॐ साई संस्कृत उत्तर मध्य विद्यालय के साथ शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय तमरेपारा धमधा एवं शासकीय बालक विद्यालय धमधा के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

धमधा। ॐ साई संस्कृत उत्तर मध्य विद्यालय धमधा में सात दिवसीय 'संस्कृत सप्ताह समारोह' का समापन को भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण माहौल में समापन हुआ। अंतिम दिन विद्यार्थियों द्वारा सप्ताह भर की गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण करने के साथ-साथ नगर में एक विशाल संस्कृत शोभायात्रा निकाली गई, जिसका उद्देश्य देवभाषा संस्कृत और भारतीय संस्कृति के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर क्षेत्र के अतिथियों के रूप में कल्याण सिंह चौहान, पवन देवांगन, विष्णु ताम्रकार एवं जवाहर साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। शोभायात्रा में ॐ साई संस्कृत उत्तर मध्य विद्यालय के साथ शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय तमरेपारा धमधा एवं शासकीय बालक विद्यालय धमधा के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

निधन

सैयद अफसरुद्दीन सिराज

भिलाई। सैयद अफसरुद्दीन सिराज का इंतकाल हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 3 सितंबर को दोपहर 1 बजे उनके निवास डी/1 बंगला, चौहान टाउन, स्मृति नगर भिलाई से निकलेगी। बाद नमाज-ए-जोहर कब्रिस्तान हैदरांग कैम्प-1 में जनाजे की नमाज के बाद उन्हें सुपुर्दे खाक किया जाएगा।

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्वय

(खारखर प्रमिया सिंह, आदित्य 5 नियम 1 और 5) बाद क्रमांक- 03A/2026 प्रोसेस क्र.- 66A/2026 पेशी दिनांक-11/09/2026

न्यायालय (उ. ईशानी अग्रवाणी) द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी दुर्ग (छ.ग.)

आवेदक- अमर जलता बराम- अमर जलता

कोर्टिब बटो(अवेदकने आपके विरुद्ध दवावा करने घोषणा कीमती 300रु. का बट प्रस्तुत किया है, आपको इस समान डूबत आरोपित किया जात है कि आप इस न्यायालय में पेशी दिनांक 11 माघ 09 सन 2026 को सुबह 11 बजे खर्च वा पेशी किसी वकील/अधिकारता द्वारा उपस्थित हो सकने है, इसी समयक अनुदेशा दिने गरी हो और जो इस वादसे संबंधित सभी कारवाय प्रकरें का उत्तर दे सकें वा जिसके साथ आपको कोई संबंध हो जो ऐसे समझने का उत्तर दे सकें। आपकी अतिशया का इतिहास कथन प्रस्तुत करें और उस दिने ऐसी सब दस्तावेजों को अर्पित करें, अधिकांश वा शिष्टाचार अपातित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्पण में सक्षम हो कर में निरति करते है, तो ऐसे दस्तावेजों की, विशिष्ट कथन के साथ उपाचार की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

अभिलेख सुधित किया जाता है कि आप बटवारी बट पेशी दिनांक को इस न्यायालय में उपस्थित नही होने को बाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

अज्ञ दिनांक 21/08/2026 को न्यायालय की मुद्र से जारी किया गया।

जुज

(उ. ईशानी अग्रवाणी)

द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी दुर्ग (छ.ग.)

हरिभूमि न्यूज़

►► निकुम

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय निकुम में करीब तीन लाख रुपये की लागत से मनरेगा से किचन शेड तैयार किया गया नया किचन शेड इन दिनों अपनी बदहाल व्यवस्था के कारण सवालों के घेरे में है। बच्चों के लिए बनने वाले मिड-डे मील की रसोई को सुरक्षित बनाने के बजाय इसे चारों तरफ से खुला छोड़ दिया गया है, जिससे बारिश के दौरान पानी के पानी की बौछारें,कीड़े-मकौड़ों के साथ बंदरों का आतंक भी बढ़ गया है। स्थिति यह है कि बंदर कभी भी मिड-डे मील कक्ष में ऊपर बैठ जाते हैं, जिससे खाद्य सामग्री और बच्चों के भोजन की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। किचन शेड के खुले हिस्सों में जाली नहीं लगाए जाने के कारण रसोई में खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में किसी अभिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

खुला किचन दे रहा मुसीबत को आमंत्रण

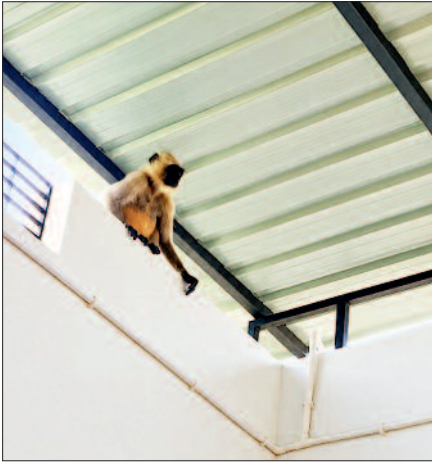
तीन लाख का शेड खतरे में, बंदरों के धमाल के बीच जोखिम में मिड-डे मील

बारिश में कीड़े-मकौड़ों का डर, कमी भी किचन में घुस जाते हैं बंदर



लाखों खर्च, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था अधूरी

तीन लाख रुपये खर्च करने के बावजूद किचन शेड को पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया गया। नियमानुसार रसोई को बाहरी जानवरों और कीड़े-मकौड़ों से सुरक्षित रखने के लिए खुले हिस्सों में जाली की व्यवस्था जरूरी है, लेकिन यहां जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों की अनदेखी साफ नजर आ रही है। विद्यालय प्रबंधन और बच्चों के अभिभावकों में इस अव्यवस्था को लेकर नाराजगी है। सवाल उठ रहा है कि जब बच्चों के भोजन की सुरक्षा का मामला हो, तो निर्माण के नाम पर लाखों रुपये खर्च करने के बाद इतनी बुनियादी व्यवस्था क्यों नहीं की गई?



जिम्मेदारों पर उठ रहे सवाल

किचन शेड की स्थिति ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिभावकों का कहना है कि यदि समय रहते किचन के खुले हिस्सों में जाली नहीं लगाई गई तो किसी दिन बंदरों या अन्य बरसाती जीव के कारण बड़ी समस्या खड़ी हो सकती है। अब जरूरत है कि संबंधित विभाग तत्काल मौके का निरीक्षण कर किचन शेड को जाली से पूरी तरह सुरक्षित करे, ताकि बच्चों को मिलने वाला भोजन स्वच्छ और सुरक्षित रह सके। वही ग्राम पंचायत निकुम सरपंच भागवत पटेल ने कहा कि तत्काल कठोर कर जाली लगाएंगे।

संतान की दीर्घायु के लिये माताओं ने रखा हलषष्ठी का व्रत, कृषि पर्व की धूम

हरिभूमि न्यूज़

►► अंजोरा

छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां की लोक-संस्कृति का गहरा रिश्ता खेती-किसानी, प्रकृति और ग्रामीण जीवन से रहा है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में मनाए जाने वाले कृषि आधारित पर्वों की अपनी अलग आंखिल पहचान है। इन्हीं प्रमुख लोकपर्वों में से एक है कमरछठ, जिसे हलछठ, हलषष्ठी या हरछठ के नाम से भी जाना जाता है। भाद्र मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व में माताएं अपनी संतान के स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए व्रत रखती हैं। इस पर्व की खासियत यह है कि इसमें सिर्फ धार्मिक आस्था ही नहीं बल्कि खेती-किसानी, जल संरक्षण, पर्यावरण और लोकजीवन की परंपराएं भी एक साथ दिखाई देती हैं। क्षेत्र की जनपद संगीता साहू ने बताया कि यह पर्व भावन कृष्ण के बड़े भाई बलराम यानी हलधर से जुड़ा माना जाता है। बलराम का प्रमुख अस्त्र हल था और कृषि जीवन में हल का विशेष महत्व रहा है।



माताओं ने रखा निर्जला उपवास



ही शहर के प्रमुख बाजार पूजा पाठ की सामागियों से सज गए थे। खरीदी भी देर रात तक बाजार में देखी गई। इस पर्व पर माताएं अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और कुशलता की कामना के लिए निर्जला उपवास रखती हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति और पारिवारिक परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसकी पूजा में छह प्रकार की सब्जि-भाजी, छह मिट्टी के छोटे घड़े यानी चुंक्रिया, छह महुआ पत्तों से बने दोने और छह खिलौने रखे जाते हैं। पूजा के दौरान छह-छह बार पानी अर्पित करने की परंपरा भी है। महिलाएं सामूहिक रूप से कमरछठ की पारंपरिक कथा सुनती हैं। पूजा संपन्न होने के बाद माताएं अपने बच्चों को बुलाकर उनकी पीठ पर हाथ या कपड़े से महुआ की 'पोती' लगाती हैं।



कैलाश नगर में महिलाओं ने श्रद्धा से मनाया कमरछठ पर्व, बच्चों की दीर्घायु की कामना की

कुम्हारी। नगर पालिका परिषद कुम्हारी के वार्ड क्रमांक 11 स्थित कैलाश नगर में महिलाओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ कमरछठ (हलषष्ठी) पर्व मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्रित हुईं और विधि-विधान से कमरछठ की पूजा-अर्चना की। पूजा के पश्चात महिलाओं ने सामूहिक रूप से कमरछठ की कथा का श्रवण किया। व्रत रखने वाली महिलाओं ने भगवान से अपने बच्चों की दीर्घायु, सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान कैलाश नगर में धार्मिक माहौल बना रहा। महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा संपन्न की और परिवार एवं बच्चों की सुखहाली के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में वार्ड की काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

कमरछठ की रौनक दिखी ग्रामीण अंचल में



निकुम। ग्राम निकुम सहित अंचल में समस्त ग्रामवासी महिलाओं ने संतान की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना को लेकर क्षेत्र में कमरछठ पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया। इस अवसर पर माताओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संतान के स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की।पूजा के लिए महिलाएं सामूहिक रूप से एकत्रित हुईं। पारंपरिक वेशभूषा में पहुंची महिलाओं ने पूजा स्थल पर भगवान शिव-पार्वती सहित कमरछठ माता की पूजा की और कथा का श्रवण किया। पूजा-अर्चना के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा।कमरछठ पर्व को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। माताओं ने दिनभर व्रत रखकर संतान की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और परिवार की सुखहाली के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर पुरोहित भावेश पांडे ने हलषष्ठी की कथा महिलां बताई।

HEALTH TOWN

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेटरनटी, चिल्ड्रन्स एवं सजिकल हॉस्पिटल

डॉ. सी.पी.सिंह

(एनडीबीएल, एनडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ

डॉ. नीलिमा सिंह

(एनडीबीएल, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

- मनोवैद्य महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श
- नार्मल एवं जेनियरेशन डिलीवरी
- एवं हवोटानी का ऑपरेशन व नसबंदी
- सर्वलुधियुक्त PICU, NICU, OT

- बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, सर्इडोस्कील, सरकना सौजन की सुविधा
- आयुजाना कार्ड और CSEB से कैरालस उपचार,
- TPA की सुविधा

भास्कर आई केयर

कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप कुलवानी

जेवर रोग विशेषज्ञ

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार

लेजर एवं विना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नज्द का इलाज EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELDS TEST

निरंकारी सर्जिंग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, इंदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.)

07714024989 | 9329124989

एडवार्ड्स यूरोलॉजी

सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

DR. ABHISHEK GAWRI

MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology) Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

- मूत्र रोग एवं सर्जरी
- किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
- प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
- यौन संबंधी समस्याएं
- महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

- आयुजाना कार्ड की सुविधा उपलब्ध

राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्र

(25 वर्षों से क्षेत्र में अनुभवी चिकित्सक) 9039050422, 9179455561

पाइल्स

पाइल्स का इलाज, एक लेप, द्वारा मससे को गला कर जड़ से इलाज किया जाता है। समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

पाइल्स का इलाज, एक लेप, द्वारा मससे को गला कर जड़ से इलाज किया जाता है।

समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

पाइल्स का इलाज, एक लेप, द्वारा मससे को गला कर जड़ से इलाज किया जाता है।

समय : सुबह 9.30 से रात 8.00 बजे तक

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-42422213, 7987119756, 9303508130



जोधिमों की पहचान कर सुरक्षात्मक उपायों पर जोर

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के फोर्ज एवं स्टील स्ट्रक्चरल शॉप में सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान सुरक्षा विषयक वार्ताओं के साथ सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा स्लोगन, सुरक्षा कविता एवं ड्राइंग प्रतियोगिताएं हुई। सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से संविदा श्रमिकों को सुरक्षा संचार मंच, अग्निशमन यंत्रों के उचित उपयोग एवं बरती जाने वाली सावधानियों तथा प्राथमिक उपचार से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। सुरक्षा प्रोत्साहन सप्ताह के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक पुष्पा एम्ब्रोस तथा विशेष अतिथि मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता ने फोर्ज एवं स्टील स्ट्रक्चरल शॉप द्वारा सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

आपदा व बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन
भिलाई। छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल प्रथम वाहिनी भिलाई-दुर्ग के कमांडेंट की उपस्थिति में विशेष बाढ़, फायरिंग, मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। एसडीआरएफ दुर्ग के जवानों द्वारा विभिन्न आपदा एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। मॉकड्रिल के प्रमुख बिंदु: ग्रामीण बचाव कार्य-बाढ़ में फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित निकालने का प्रदर्शन। डीप ड्राइविंग अभ्यास-नदी में डूबे व्यक्ति के शव को खोजकर बाहर निकालने की प्रक्रिया। दुर्घटना प्रबंधन-रेस्क्यू टीम की मोटर बोट पलटने की स्थिति में बचाव कार्य का प्रदर्शन। प्राथमिक उपचार (सीपीआर) डूबे हुए व्यक्ति को सीपीआर देकर तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का अभ्यास। उपकरण प्रदर्शन-आधुनिक रेस्क्यू उपकरणों की जानकारी एवं उनके उपयोग का प्रदर्शन किया गया।

स्वाइन फ्लू से निपटने बना आइसोलेशन वार्ड तीन शिफ्ट में लगी कर्मचारियों की इयूटी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भिलाई

शहर में स्वाइन फ्लू के मरीजों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आम लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। 5 अगस्त से 1 सितंबर तक 17 मरीजों में स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि होने की जानकारी सामने आई है। स्वाइन फ्लू का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। हालांकि 2 सितंबर को कोई नया मरीज नहीं मिला।

लगातार बढ़ते मामलों को हल्के में लेना लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान जिस तरह शुरुआत में सामान्य लगने वाले संक्रमण ने बाद में गंभीर रूप लिया था, उससे सबक लेते हुए इस बार भी शुरुआती स्तर पर ही सावधानी और निगरानी जरूरी है। हर बुखार या खांसी स्वाइन फ्लू नहीं होती, लेकिन लगातार बुखार, खांसी, गले में खराश, बदन दर्द, अत्यधिक कमजोरी या सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण दिखाई दें तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। 5 अगस्त से 2 सितंबर तक जिले में स्वाइन फ्लू के कुल 17 पॉजिटिव प्रकरण सामने आए हैं। इनमें वर्तमान

बीएसपी सतर्कता विभाग ने किया सतर्कता संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ►►भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के पूर्व आयोजित किए जा रहे सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत को ब्लास्ट फर्नेस विभाग के अधिकारियों के लिएसतर्कता सं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक रेणु गुप्ता व उप महाप्रबंधक श्री नोशाद आलम सहित निरीक्षक श्री वीवीएस राय एवं वरिष्ठ सतर्कता निरीक्षक अजय सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में ब्लास्ट फर्नेस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित 20 से अधिक अधिकारियों ने सहभागिता की। क्रय एवं क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक चुनौतियों पर विशेष

अब तक 17 मरीज, 9 एक्टिव, बीमारी को हल्के में लेने के बजाय सावधानी जरूरी



इन अस्पतालों में चल रहा इलाज
जिले में स्वाइन फ्लू से वर्तमान में पीड़ित 7 लोगों का दुर्ग-भिलाई और रायपुर के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार पुराने मरीजों में सेक्टर-9 अस्पताल में एक, बीएस शाह अस्पताल में एक, हाईटेक अस्पताल में एक, रामकृष्ण अस्पताल रायपुर में तीन, सुयस अस्पताल रायपुर में एक मरीज का उपचार जारी है। वहीं दो लोग होम आइसोलेशन पर हैं। वहीं 8 लोग अस्पताल में इलाज के बाद स्वस्थ होकर लोग लौटे हैं।

जिला अस्पताल में 10 व सुपेला में 5 बेड का वार्ड तैयार
जिले में लगातार सामने आ रहे स्वाइन फ्लू के मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला अस्पताल दुर्ग में स्वाइन फ्लू मरीजों के लिए 10 बिस्तरों का अलग वार्ड तैयार किया गया है। वार्ड में तीनों शिफ्ट में कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई है, ताकि जरूरत पड़ने पर मरीजों को तत्काल उपचार और निगरानी में रखा जा सके। इसी तरह लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला में 5 बिस्तरों का आइसोलेशन वार्ड तैयार किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू से निपटने के लिए अस्पतालों में कोरोना संक्रमण के दौरान अपनाए गए प्रोटोकॉल की तर्ज पर व्यवस्थाएं की हैं।

में 9 मरीज एक्टिव हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, 9 एक्टिव मरीजों में 7 का अस्पताल में उपचार चल रहा है, जबकि 2 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। सभी मरीजों की

स्थिति फिलहाल सामान्य बताई गई है। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है।



पूरी तरह अलर्ट है स्वास्थ्य विभाग

स्वाइन फ्लू से घबराने की जरूरत नहीं। गैड माइं वाले जगह में जाने से बचे। साथ ही मास्क और सैनेटाइजर का उपयोग करें। लक्षण पाए जाने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है।

डॉ. सीबीएस बंजारे
जिला नोडल अधिकारी
स्वास्थ्य विभाग दुर्ग

online Booking-www.tripuryatra.com

सुनहरा अवसर

रायपुर, उत्तरापुर, राहनेल से होकर

स्पेशल ट्रेन

22 से 28 अक्टूबर 2026 (7 दिन)

द्वारकाधीश धाम यात्रा

श्री द्वारकाधीश, श्री द्वारकाभेट, श्री सोमनाथ, श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, उज्जैन (श्री महाकालेश्वर)

ऑफर राशि: **तीर्थ 9,500/-**, 3 एसी-16,500/-, 2 एसी 22,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR: D-36 Sector-4, Karam Vihar, ND86A, Shop No. 391,302,303 S.S. Plaza Power House Road

संपर्क करें:-7354 411411

द्वितीय उपहार 3 नग बाईक

तृतीय उपहार 10 नग LED TV

चतुर्थ उपहार 5 नग फ्रीज

पांचवा उपहार 8 नग वाशिंग मशीन

छठवां उपहार 15 नग गैस चूल्हा

सातवां उपहार 25 नग सिलिंग फैन

आठवां उपहार 40 नग ट्राली बैग

नवां उपहार 500 नग हॉट पॉट

दसवां उपहार 600 नग लंच बाक्स

ग्यारहवां उपहार प्रत्येक प्रतिभागी को आतिथ्य उपहार

जिवन की कड़ी :-> यह सुनहरा मौका, सुनिश्चित उपहार योजना 1 मई 2026 से 31 दिसंबर 2026 की अवधि के लिए है ।

- हरिभूमि के नए पुराने पाठक इसमें भाग ले सकते हैं ।
- महालक्ष्मी झू. में भाग लेने वाले हर प्रतिभागी को एक सुनिश्चित उपहार जीतने का अवसर होगा ।
- इस योजना अवधि में हरिभूमि समाचार पत्र में कुल 50 कूपन (35 सामान्य कूपन एवं 15 मास्टर कूपन) प्रकाशित किये जाएंगे ।
- योजना में भाग लेने के लिये पाठकों को हरिभूमि में प्रकाशित फार्मेट पर उपरोक्त अवधि के दौरान समाचार पत्र में प्रकाशित 50 कूपनों में से कुल 30 कूपन (20 सामान्य एवं 10 मास्टर कूपन) थिफकाने होंगे।
- फोटोकॉपी या कटे-फटे कूपन व फार्मेट मान्य नहीं होंगे ।
- राश्य सरकार एवं केंद्र सरकार के सभी नियम लागू होंगे ।
- सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार योजना के विजेता को आवश्यक के नियम व शर्तों मान्य होंगे।
- हरिभूमि निर्माण/रूक संकल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
- किसी प्रकार के विवाद में न्यायालय क्षेत्र रायपुर (छ.ग.) होगा।
- विजय में दसोंपहर उपहार वास्तविक उपहार से भिन्न हो सकते हैं ।
- हरिभूमि कर्मचारी, एजेंट व उनके परिवार के सदस्य इस योजना के पात्र नहीं हो सकते ।

आज ही **हरिभूमि** की प्रति बुकिंग करायें

हरिभूमि कार्यालय : पुजारी पार्क के सामने, पचपेड़ी नाका रोड, टिकरापारा रायपुर
फोन : 0771-4242238, मो. 8224868411, 8319145740

सफाई कामगारों की मांगें पूरी नहीं होने से असंतोष



हरिभूमि न्यूज़ ►►भिलाई

नगरीय निकाय जनवादी सफाई कामगार यूनियन एवं छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा मजदूर कार्यकर्ता समिति ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि दिनांक 1 सितंबर 2026 को दुर्ग जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई कामगारों और प्रतिनिधियों का कन्वेंशन आयोजित किया गया।

कन्वेंशन में सफाई कामगारों के समस्त श्रम अधिकारों एवं उनकी ज्वलंत समस्याओं के निदान की मांग की गई। इसके लिए संघर्ष तेज करने पर जोर दिया गया।

कन्वेंशन में सफाई कामगारों को 26 हजार रुपये मासिक न्यूनतम वेतन देने की मांग सरकार से की गई। निर्यामतीकरण अनिवार्य रूप से होने, सफाई कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिए सफाई कामगार आयोग का गठन,

भूमि न्यूनतम वेतन का लाभ दिया जाए तथा मजदूरों के मौलिक अधिकारों पर कुठाराघात बंद करने का गुहार। यूनियन ने बताया कि वर्षों से कार्य कर रहे मजदूरों को उनके अधिकार और सम्मानजनक वेतन देने के बजाय उन्हें काम से निकालने की धमकी दी जाती है। कई मजदूर 10 से 15 वर्षों से लगातार काम कर रहे हैं, फिर भी उन्हें नौकरी की सुरक्षा प्राप्त नहीं है। सभी समस्याओं के निदान के लिए सरकार से लगातार मांग के बाद भी अनदेखी से मजदूरों में असंतोष बढ़ रहा है।

नियोगी की बरसी पर मंत्रालय कूच करेंगे

कन्वेंशन में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 28 सितंबर छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के संस्थापक महासचिव और प्रसिद्ध मजदूर नेता शहीद शंकर गुहा नियोगी के शहादत दिवस और शहीद-ए-आजम मगत सिंह के जन्मदिन के अवसर पर सफाई कामगारों एवं मजदूरों की मांगों को लेकर रायपुर मंत्रालय की ओर महाअंदोलन के लिए कूच किया जाएगा। यूनियन ने कहा कि अधिकार के तहत मजदूर अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरेंगे। इस महाअंदोलन में मजदूर अपने पूरे परिवार, बाल-बच्चों सहित रायपुर पहुंचेंगे और सरकार के समक्ष अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे। कन्वेंशन में चंद्रकला, त्रिवेणी, मैत्री, मोतम, पुष्पा, नीरा, पंचराम, महेश्वर, जय प्रकाश नायर, डिलेश्वर, लक्ष्मी, मैना, महेश, मनोज कोशरे, कलादास डेहरिया सहित सफाई कामगार व मजदूर प्रतिनिधि उपस्थित थे।

क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा 6 सितंबर को

भिलाई। खेल विषय की दुनिया की सबसे बड़ी ऑनलाइन परीक्षा क्रीड़ा ज्ञान परीक्षा का पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है। इस परीक्षा का आयोजन खिलाड़ियों, छात्रों, अभिभावकों और नागरिकों के बीच खेलों में अधिक रुचि पैदा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष किया जाता है। परीक्षा का आयोजन 6 सितंबर को 20 मिनट का होगा। विजेताओं को प्रथम पुरस्कार एक लाख, द्वितीय 50 हजार, तृतीय 25 हजार (6) चौथा पुरस्कार 11 हजार (11) (संगठन के ग्यारह क्षेत्रों में से प्रत्येक में एक) को मिलेगा।



लाइव इवेंट

भाई-बहन ने मिलकर साधी मासक्षमण तपस्या
नवकार महामंत्र जप अनुष्ठान निरंतर जारी



दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब दुर्ग में मानव मिलन संस्थापक राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज एवं साध्वी लक्ष्मी के सानिध्य, प्रेरणा एवं आशीर्वाद से चातुर्मास के दौरान धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियां निरंतर गतिमान हैं। त्याग, तपस्या और आत्मसाधना के क्रम में भाई-बहन कुशल एवं ऋषिता द्वारा मासक्षमण की कठिन तपस्या की जा रही है। कुशल ने आज 30 उपवास की तपस्या पूर्ण कर आगे की साधना की ओर कदम बढ़ाया है, वहीं उनकी बहन ऋषिता भी 26 उपवास की तपस्या की ओर अग्रसर हैं। भाई-बहन की इस कठिन तपस्या ने पूरे धर्म समाज में श्रद्धा, उत्साह और अनुमोदना का वातावरण निर्मित किया है। इस अवसर पर अमन सुराणा ने 15 उपवास का संकल्प लेकर ऋषिता की तपस्या का अभिनंदन एवं अनुमोदना की। भाई-बहन द्वारा साथ-साथ की जा रही तपस्या त्याग, संयम और पारिवारिक संस्कारों की प्रेरणादायी मिसाल बन रही है। राष्ट्रसंत डॉ. मणिभद्र मुनि महाराज एवं साध्वी लक्ष्मी ने तपस्वियों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि तपस्या केवल शरीर को कष्ट देने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग है। तपस्वियों की अनुमोदना करना भी पुण्य का कारण बनता है।

नवकार महामंत्र जप अनुष्ठान निरंतर जारी

जय आनंद मधुकर रतन भवन में नवकार महामंत्र जप अनुष्ठान की साधना भी निरंतर निर्विघ्न रूप से चल रही है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में सहभागी होकर नवकार महामंत्र के जाप के माध्यम से आध्यात्मिक ऊर्जा एवं आत्मिक शांति का अनुभव कर रहे हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी पर तीन वर्गों में फैसी इस प्रतियोगिता

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों एवं प्रतिभागियों के लिए तीन वर्गों में फैसी इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 4 सितंबर को दोपहर 1.30 बजे से जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में आयोजित होगी। चातुर्मास के दौरान जय आनंद मधुकर रतन भवन में तपस्या, नवकार महामंत्र साधना एवं विभिन्न धार्मिक-सामाजिक आयोजनों के माध्यम से धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का संदेश निरंतर प्रसारित हो रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित गुरु भक्त परिवार के नवकारसी एवं गोतम प्रसादी की व्यवस्था मांगी लाल संचेती परिवार की ओर से रखी गई थी।

लाइव इवेंट

भारतीय ज्ञान परंपरा, साहित्य और दर्शन की आधारशिला है संस्कृत



दुर्ग। शासकीय ताम्रस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में संस्कृत विभाग और योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान-विज्ञान परंपरा, साहित्य और दर्शन की आधारशिला है। योग-साधना, साहित्य और संस्कृति के संरक्षण की प्रेरणा भी संस्कृत से मिलती है। भारतीय संस्कृति का संरक्षण अनंत काल तक संस्कृत के माध्यम से होता रहेगा।

आचार्य डॉ. शर्मा ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा संस्कृत से प्रेरित हैं। संस्कृत के बिना इनका समुचित अध्ययन संभव नहीं है। विज्ञान, गणित, ज्योतिष, भूगोल, खगोल, राजनीति और अर्थशास्त्र जैसे विषयों की प्राचीन भारतीय परंपरा का आधार भी संस्कृत रही है। पूर्व प्राचार्य और पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों से अपनी स्वर्णिम विरासत से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जड़ों से जुड़कर ही वास्तविक उन्नति संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेश सुराना ने कहा कि भाषा कोशल, अनुशासन, चिंतन, तर्क क्षमता और सांस्कृतिक जीवन मूल्यों के विकास में संस्कृत की महत्वपूर्ण भूमिका है। इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. एके पाण्डेय ने भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में संस्कृत की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आचार्य डॉ. महेशचन्द्र शर्मा ने अपनी पुस्तक छत्तीसगढ़ में संस्कृत उपस्थित लोगों को भेंट की। यह पुस्तक वृहत शोध परियोजना प्रतिवेदन का प्रकाशित रूप है, जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयों भी शामिल हैं। पुस्तक को लेकर उपस्थित लोगों ने रुचि और जिज्ञासा व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने और योग विभागाध्यक्ष डॉ. नीरा सिंह ने आभार व्यक्त किया।

घर-घर पूजे गए भगवान शिव, गणेश और मनी बलभद्र की जयंती बिना हल चले चीजों का किया उपयोग

कमरछठ पर सगरी पूजा कर सुनी कथा, पीठ पर पीली पोती
मारकर संतान की दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना

भिलाई। भादो माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि के अवसर पर भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलभद्र का जन्म जयंती उत्सव और प्रदेश का पारंपरिक त्योहार कमरछठ बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर माताओं ने अपने बच्चों की लंबी उम्र के लिए दिनभर उपवास रखा। शाम को लाई, पसहर, महुआ, दूध-दही आदि का भोग लगाकर सगरी की पूजा की गई। मोहल्लों और मंदिरों में मां हलषष्ठी की कथा पढ़ी और सुनी गई। शाम को सूर्य डूबने के बाद वे पसहर चावल और 7 प्रकार की भाजी और भैंस के दूध का दही खाकर अपना व्रत तोड़ा। पूजा से लौटने के बाद माताओं ने अपने बच्चों के पीठ पर छह बार पीली पोती मारकर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। शहर के लगभग सभी मोहल्लों में इस मौके पर सगरी पूजा का आयोजन किया गया था। छत्तीसगढ़ की कई सालों पुरानी इस परंपरा को लेकर पूरे दिन अलग-अलग जगहों पर पूजा-अर्चना के साथ अनुष्ठान हुए। यादवों ने भी इसे उत्सव की तरह मनाया।

महुए की डाली से किया दातून

दीक्षित नगर मंदिर के पुजारी पं. रवि मिश्रा ने कहा कि बच्चों की लंबी उम्र के लिए माताओं द्वारा किया जाने वाला उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ी और महाराष्ट्र संस्कृति यह ऐसा पर्व है जिसे हर जाति और वर्ग के लोग मनाते हैं। हलषष्ठी हलछठ, कमरछठ या खमरछठ नाम से भी जानी जाती है। बुधवार को इस पर्व पर माताओं ने सुबह से महुआ पेड़ की डाली का दातून कर, स्नान कर व्रत धारण किया। दोपहर बाद घर के आंगन और मंदिरों में सगरी बनाई गई। इसमें पानी भरा गया। मान्यता है कि पानी जीवन का प्रतीक है। बेर, पलाश, गुलर आदि पेड़ों की टहनियों और काशी के फूलों से सगरी की सजावट की गई। इसके सामने गौरी-गणेश, मिट्टी से बनी हलषष्ठी माता की प्रतिमा और कलश की स्थापना कर पूजा की गई। साड़ी समेत सुहाग के दूसरी चीजें भी माता को समर्पित की गई। इसके बाद हलषष्ठी माता की 6 कथाएं पढ़ी और सुनाई गई।



सुखी जीवन की कामना

मिलपारा डीपरा दुर्ग बाबा देवता चबूतरा में मौहल्ले की माताओं ने अपने संतान की लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना से हलषष्ठी व्रत रखकर सागर-सगरी की पूजा की। इस अवसर पर कथावाचक निधि पांडे के साथ सावित्री मिश्रा, श्रुति पांडे, ज्योति गुप्ता, लक्ष्मी, ऊषा, पूर्णिमा, सरिता, शालिनी, राखी, नीता, रेखा, अमृत, मालती, संतरीन, मीरा और हीरमत पूजा में शामिल थीं।



दुर्ग। द्वारिकापुरी सोसायटी, पोटिया में महिलाओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर पूजा स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया और धार्मिक गीतों और भजनों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

सुभाष चौक में महिलाओं ने पुत्र की दीर्घायु के लिए रखा हलषष्ठी व्रत

भिलाई। सुभाष चौक वार्ड 9 में महिलाओं ने पुत्र की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना को लेकर हलषष्ठी व्रत रखा। इस दौरान महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान से अपने पुत्रों के उज्ज्वल भविष्य और लंबी आयु की कामना की। आयोजन में केसरी उपाध्याय, नेहा उपाध्याय, मुक्त जोशी, द्रौपदी मढरिया, रुक्मणी मढरिया, इंदिरा वर्मा, प्रभा वर्मा, पार्वती ठाकुर, दुर्गा ठाकुर, संस्था वर्मा, नेहा वर्मा, अरुणा वर्मा, अंबालिका वर्मा सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं।



मारुती 7 वंडर सांकरा में महिलाएं एकत्रित होकर पूजा आर्चना की



भगवान कृष्ण के भ्राता हलदर यानी बलराम का गोकुल में जन्म हुआ। क्योंकि भगवान बलराम ने ही हल नामक यंत्र का निर्माण और उपयोग कृषि कार्य में पहली बार किया, इसलिए उनको हलदर कहा गया। इसीलिए उनकी जन्म तिथि को हलषष्ठी कहते हैं। हजार साल पहले कृषि कार्य के लिए खुदाई कुदाल और इसी तरह के यंत्रों से होता रहा। भगवान बलराम द्वारपुत्र युग के गदा युद्ध के अद्वितीय विशारद थे। उन्होंने ही दुर्गोधन और भीम गदा युद्ध की शिक्षा दी। द्वारका विनाश के बाद बलराम यादवों को लेकर जंगल चले गए। जहां से यादवों ने पशुपालन के व्यवसाय को अपनाया। यहीं से यादव ठेठवार कहलाए। बलराम को महावीर संबोधित करते हैं। इनका झंडा खुर के आकार की लकड़ी का होता है, जिसमें बलराम अंकित होते हैं। इसे खुरहर कहते हैं। ठेठवारों का खुर चिन्ह और पूजनीय पताका है।

छठ तालाब में महिलाओं ने की कमरछठ पूजा



भिलाई में वार्ड 22 कुरुद ढांचा भवन स्थित दुर्गा मंदिर में अक्षरधाम कालोनी की महिलाओं ने मंदिर प्रांगण में कमरछठ पूजा की। इस दौरा महिलाओं ने हल षष्ठी माता की पूजा की। पंडित रवि शुक्ला ने पूजा कराया और महिलाओं को भगवान से जुड़ी छह कहानी सुनाकर उसे अपने जीवन में आत्मसात करने को कहा। पूजा में अक्षरधाम कालोनी से पूनम उपाध्याय, निशा तिवारी, खुशबू सिन्हा, मनीषा साहू, प्रियंका देवांगन, भामेश्वरी साहू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं इकट्ठा हुईं।

दुर्ग-भिलाई चैप्टर की हेरिटेज क्विज में सौ से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए

स्कूली बच्चों ने अपनी विरासत के महत्व को जाना, दुर्ग भिलाई के इतिहास से हुए रू-ब-रू, धरोहर बचाने ली शपथ

कार्नर न्यूज

भिलाई। भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (इंटेक) दुर्ग-भिलाई चैप्टर की ओर से आयोजित हेरिटेज क्विज में बारह स्कूल के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दुर्ग-भिलाई चैप्टर की संयोजिका डॉ. हंसा शुक्ला ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को विरासत के महत्व को बताना था जिससे विद्यार्थी अपने आस पास के अनमोल धरोहरों के संरक्षण के लिए संकल्पित हो।

दुर्ग स्थित खालसा स्कूल में हुए इस आयोजन में अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार गुलबीर सिंह भाटिया ने विद्यार्थियों को आज्ञा दी के बाद के दुर्ग और यहां के प्रमुख मोहल्लों-इमारतों से परिचित कराया। उन्होंने सीमा पार के अपने जन्म स्थान से जुड़ी भावनात्मक यादें भी बांटी और प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़ा किस्सा भी साझा किया। मुख्य वक्ता लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने विद्यार्थियों को दुर्ग-भिलाई के



इतिहास को अत्यंत रोचक ढंग से बताया। जिसमें महात्मा गांधी-जवाहरलाल नेहरू के दुर्ग-भिलाई प्रवास, भिलाई स्टील प्लांट से सेक्टर तक के नामकरण और इनके पहले के सभी गांव से लेकर अब तक के तमाम रोचक तथ्यों को दृश्य-श्रव्य माध्यम से बताया। आयोजन में इन्टेक दुर्ग-भिलाई से डॉ. रजनी नेल्सन, शानू मोहनन और विश्वास तिवारी उपस्थित रहे।



कार्यक्रम में खालसा पब्लिक स्कूल की व्याख्याता राजेंदर कौर, दिव्या सिंह एवं खालसा पब्लिक महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सुनीता बोकडे ने विशेष योगदान दिया।

इन बच्चों ने क्विज में मारी बाजी

क्विज के लिखित चरण में इक्वायन टीम में विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन कर डीएवी पब्लिक स्कूल और शास्त्रा विद्यालय के विद्यार्थियों ने चार सबसे अच्छी टीम में स्थान प्राप्त कर मौखिक चरण में स्थान बनाया। मौखिक चरण में भारतीय संस्कृति, व्यक्तित्व, राज्य, शहर और इंटेल से जुड़े प्रश्न पूछे गए। दूसरे चरण के बाद डीएवी पब्लिक स्कूल हुडको के प्रखर साहू, कार्तिकेय सिंह प्रथम, शारदा विद्यालय रिसाली के सात्विक साहू, लिनयेश द्वितीय, हर्षिका साहू, अनामिका चतुर्वेदी तृतीय तथा आशिक जांगुलकर- गुंजन साहू चौथे स्थान पर रहे। क्विज प्रतियोगिता में देहली पब्लिक स्कूल रिसाली, भिलाई, महर्षि दयानंद आर्य विद्यालय भिलाई, श्री शंकरा विद्यालय भिलाई, मैत्री विद्या निकेतन भिलाई, शारदा विद्यालय भिलाई, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय दुर्ग, खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग, एसडीबी पब्लिक स्कूल दुर्ग, विद्यापीठ उत्तमर माध्यमिक शाला दुर्ग, स्वामी आत्मानंद जेआरडी शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुर्ग एवं बीआरजे शासकीय कन्या विद्यालय दुर्ग के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

सिटी इवेंट

छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण महिला समाज ने मनाया तीज मिलन



दुर्ग। छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण महिला समाज ने धनोरा सेलिब्रेसन पैलेस में आयोजित तीज मिलन उत्सव में नृत्य नाटिका के माध्यम से समाज में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार के साथ मंच पर हास्य परिहास प्रस्तुत किए। छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण महिला समाज भिलाई का तीज मिलन उत्सव नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे के मुख्य आतिथ्य एवं दीप्ति दुबे समाजसेविका रायपुर तथा अर्चना चौबे की अध्यक्षता में मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर भगवान गणेश वंदना प्रार्थना तिवारी की प्रस्तुति साथ प्रारंभ हुआ। आरती तिवारी एवं वर्षा शुक्ला ने राजनिति व्यंग प्रस्तुत कर गुदगुदाया। अनुपमा, सुषमा, वसुन्धरा, वंदना और मनीषा ने समूह नृत्य प्रस्तुत कर खूब ताली बटोरी। बबली और शैल ने भी हास्य प्रहसन प्रस्तुत किये। अर्चना चौबे, आरती दीवान, सरोज शर्मा, सरिता मिश्रा, अनिता चौबे, रंशिम, रजनी दुबे, सरला दुबे, ज्योति, विजया, शेफाली, शोभा, रिचा, स्वीटी, मंजूषा आदि ने छत्तीसगढ़ में मनाएं जाने वाले तीज त्यौहार पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत किए। मीना शर्मा ने एकल नृत्य, प्रीति तिवारी ने खेल करवा कर उत्सव और को भी मनोरंजक बनाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वाति वंदना और सुनीता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वहीं कार्यक्रम का संचालन जयंती शर्मा ने किया।



सिटी लाइव

पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष बने पवन कुमार निषाद



दुर्ग। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद छत्तीसगढ़ की दो दिवसीय प्रतिनिधि सभा का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस ओपन सत्र का आयोजन दोपहर 3 बजे जागृति मंडल में किया गया। ओपन सत्र में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पूर्व सैनिकों एवं प्रतिनिधियों ने संगठन की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों, कमियों, चुनौतियों एवं संगठन विस्तार के संबंध में अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान प्रदेश कार्यकारिणी द्वारा संगठन के नियमों के कथित दुरुपयोग एवं उल्लंघन तथा मनमाने ढंग से कार्य किए जाने को लेकर सदस्यों द्वारा असंतोष व्यक्त किया गया। उपस्थित प्रतिनिधियों की सहमति के आधार पर प्रदेश कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग करने का निर्णय लिया गया। प्रतिनिधि सभा के दूसरे दिवस सत्य साई हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्षों, संस्थापक सदस्यों एवं वरिष्ठ पूर्व सैनिकों की सहमति एवं अनुमोदन से छत्तीसगढ़ प्रांत के संस्थापक सदस्य पवन कुमार निषाद को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत करने पर सहमति बनी। बैठक में महावीर टण्डन, गुमान दास साहू, गोवर्धन शर्मा, मुरारी साहू, बसंत रावटे, भुवन देशमुख, रोमनाथ वर्मा, प्रदीप चन्द्राकर, रवि साहू सहित विभिन्न जिलों एवं संभागों से आए प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पवन कुमार निषाद की अध्यक्षता में प्रदेश की अन्य कार्यकारिणी का गठन शीघ्र ही किया जाएगा। संगठन ने पूर्व सैनिकों के हितों, संगठनात्मक एकता, अनुशासन एवं संगठन विस्तार के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इसी अवसर पर पूर्व सैनिकों की मातृ शक्ति संगठन का भी गठन किया गया। सभा में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने संगठन को और अधिक मजबूत, अनुशासित, एकजुट एवं प्रभावी बनाने तथा पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रायपुर, धमतरी, दुर्ग, पाटन, सरगुजा, सूरजपुर, बिलासपुर, बलोदाबाजार, दंतेवाड़ा, बमेतरा, कांकेर, कोंडागांव, बस्तर, नारायणपुर के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

निगम के सात कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई



भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले 7 कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। निगम आयुक्त सुरेश सिंह की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल, श्रीफल और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया तथा उनके सेवानिवृत्त के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की गई। सेवानिवृत्त होने वाले कार्यपालन अभियंता वेशराम सिन्हा, राजस्व निरीक्षक प्रसन्न कुमार तिवारी, फ़िल्ड वर्कर कृष्णा यादव, हेल्पर क्लीनर ओम प्रकाश तिवारी, सफाई कामगा राजबती निषाद एम जोसफ और योक्ना शमिल हैं। मुख्य अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, जून आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन व अन्य अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना किए। उन्होंने कहा कि शासकीय सेवा में कर्मचारियों की जिम्मेदारियों का निर्वहन महत्वपूर्ण होता है। सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने अनुभव और कार्यों के माध्यम से निगम की सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, फते लाल साहू, श्वेता वर्मा, बसंत साहू, शंकर सुवन मरकाम, रीमा जामुलकर, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, राजस्व अधिकारी शरद दुबे आदि उपस्थित थे।

धर्म-संस्कृति & शिक्षा

● 40 वार्डों की महिलाओं ने मिलकर मनाया लोकपर्व, भारती पटेल टीम बनी विजेता

भोजली के संग सजी संस्कृति, भाईचारे की बिखरी खुशबू, आस्था और परंपरा के साथ हुआ विसर्जन

भिलाई। भोजली पर्व पर भिलाई-चरोदा क्षेत्र में छत्तीसगढ़ी संस्कृति, लोकआस्था और भाईचारे की खूबसूरत झलक देखने को मिली। नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा स्तरीय भोजली उत्सव एवं विसर्जन समारोह में 40 वार्डों की महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक गीतों के बीच भोजली माता की पूजा-अर्चना कर विसर्जन किया गया। इस दौरान आयोजित भोजली प्रतियोगिता में महिलाओं ने अपनी टोली की भोजली को आकर्षक ढंग से सजाकर लोक परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया। भोजली उत्सव समिति के मुख्य संयोजक प्रेम लाल साहू और राष्ट्रपति से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक राम कुमार वर्मा के विशेष सहयोग से आयोजित समारोह में खादी तथा गामोदोग, छत्तीसगढ़ शासन के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, पूर्व नगर पालिका परिषद भिलाई-चरोदा अध्यक्ष सीता साहू, सिंधी अकादमी, छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्ष सुषमा जेठानी, गुलशन ढिंढे, राम खिलावन वर्मा, चंद्र प्रकाश पांडेय सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई। इसके बाद राम कुमार वर्मा द्वारा लिखित भोजली पुस्तक का विमोचन किया गया।



आपसी भाईचारे से जुड़ा है ये लोकपर्व

मुख्य अतिथि राकेश पाण्डेय ने कहा कि भोजली केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी, कृषि संस्कृति, प्रकृति, आस्था और आपसी भाईचारे से जुड़ा लोकपर्व है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी लोक परंपराओं और संस्कृति से जोड़ना जरूरी है। अपनी बोली, संस्कृति और माटी पर गर्व करते हुए उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया की भावना ही हमारी पहचान है। अध्यक्ष सीता साहू ने भोजली पर्व को मातृशक्ति की श्रद्धा और लोकजीवन की आत्मीयता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि भोजली के माध्यम से प्रकृति और अन्नदाता के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त होता है। वहीं सुषमा जेठानी ने लोकपर्वों को संस्कृति की जीवंत पहचान बताते हुए युवाओं को लोकगीत, लोककला और परंपराओं से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।



भारती पटेल टीम ने जीता पहला स्थान

समारोह में आयोजित भोजली प्रतियोगिता में निर्णायक सेवती वर्मा, तारा वर्मा और लक्ष्मी जेधेल रहे। जिसमें भारती पटेल टीम प्रथम, इंदु वर्मा टीम द्वितीय, जमुना बंछोर टीम तृतीय, गीता साहू टीम चतुर्थ तथा नम्रता विश्वकर्मा टीम पांचवें स्थान पर रही। रीना चंद्राकर टीम को विशेष परिधान पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा गिरिजा श्रीवास, गंगा डोंडेकर, पूर्णिमा ठाकुर, गायत्री यादव, मंजू साहू, कमल तांडी, शिवकुमारी यादव और दयादास साहू की टीमों सहित अन्य प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के बाद भोजली माता की शोभायात्रा निकाली गई। भोजली गीतों और पारंपरिक मंगल भावनाओं के बीच महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक भोजली माता को विदाई दी। कार्यक्रम का संचालन राम कुमार वर्मा तथा आमार प्रदर्शन रवि नाहर ने किया। कार्यक्रम में ज्ञान दास मानिकपुर, लाखन वर्मा, थानेश्वर साहू, पुष्कराज जैन, सुरेंद्र देवांगन, नरोत्तम साहू, तोरण सोनी, आचार्य हरीश साहू, शकुन देवांगन, रीना चंद्राकर, निर्मला भारती, गायत्री यादव, त्रिवेणी वर्मा, नम्रता विश्वकर्मा, किरण ठाकुर, गिरिजा श्रीवास, दोपती वर्मा, कुसुम साहू, उषा चौहान, रंजना सिंह, हीरा साहू, गायत्री साहू, मंजू साहू, भारती साहू, गंगा डोंडेकर, थानेश्वरी साहू, उषा साहू, हीरावती सोनी, बनिता नाग, स्वाति वर्मा, उमेश्वरी साहू, जमुना बंछोर, अनूपा विश्वकर्मा, स्वाति चंद्राकर आदि मौजूद थे।

बीएसपी आफिसर्स एसो. का आयोजन

सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान ओए के योगदान को याद किया



भिलाई। बीएसपी आफिसर्स एसोसिएशन द्वारा जुलाई माह में स्वेच्छिक सेवानिवृत्त एवं अगस्त माह में सेवानिवृत्त अधिकारियों के उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान समारोह का आयोजन प्रगति भवन में हुआ। कार्यक्रम में सेफी व ओए अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर, महासचिव अंकुर मिश्रा सहित कोषाध्यक्ष सौभाग्य रंजन साहू, सेफी नामिनी अखिलेश मिश्रा, सचिव प्रहलाद मोर्य व अनु पी उपस्थित थे। सम्मान समारोह में जून माह में स्वेच्छिक सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों में संजीव कुमार मिश्रा ज्ञानेंद्र कुमार साहू, जीएम जितेंद्र कुमार वर्मा, इंदु भूषण मिश्रा, मधुसूदन नायक, राहुल निगम, बिनीतोष बाला, मनोज जैन, संदेश रामकृष्णा शेट्टे, भारती जवाहर बाबू, डीपी मजगवाली, अरूणवा बैनर्जी, प्रशांत कुमार श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक संजय अग्रवाल, गगन गोयल, राजेश कुमार गोस्वामी, सजीव डैनियल, कौशलेन्द्र कुमार गुप्ता, कुलभूषण भटनगर, रामाकृष्णा जायसवाल, डिटी मैनेजर रोहित कुमार मैनी, मयंक कुमार करमाहे, असिस्टेंट मैनेजर प्रदीप कुमार दास शर्मा, असिस्टेंट मैनेजर व अगस्त माह में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों में उमेश भारद्वाज, सीजीएम प्रभाकर एस खोब्रागढ़, जीएम ईचांज मनमोहन सिंह यादव, एजीएम मनीष दुबे, एजीएम जार्ज विलियम, लातूरी सिंह सवेरिया, डिटी मैनेजर का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओए जोनल प्रतिनिधि दिनेश मानिकपुरी ने किया। इस अवसर पर संजय कुमार तिवारी, एम ए आर श्रीराम, विरेन्द्र सिंह, रोहित हरित, एम विजय कुमार, एस के नागले, सोमेश द्विवेदी, दिवाकर सिरमौर, निमेश कुमार गुप्ता, विवेक सिंह चौहान, मिलिंद बंसोड, श्रवण कुमार शुक्ला, आदित्य दुबे, जी पी सोनी, संजीव कुमार सोनी, विकास सिन्हा, श्वेत कुमार मिश्रा, एच एल सोनवानी, अंकुर राठौर, थालेश सिन्हा, विनीत वर्मा, अखिल मिश्रा, रोहित सांगवान, राजूल कुमार पाण्डेय एवं एक्स ओए महासचिव जे बी पाटिल आदि अधिकारी उपस्थित थे।

झूले में विराजी ट्रीजड़ी माता और भजनों से गुंजा साईं झूलेलाल धाम

पारंपरिक वेशभूषा में किया छेज नृत्य, चांद को अर्घ्य देकर खोला व्रत, भजनों में झूमे भक्त

कार्न न्यूज

भिलाई। सिंधी समाज की समृद्ध संस्कृति और पारंपरिक आस्था से जुड़ा ट्रीजड़ी पर्व हाउसिंग बोर्ड, औद्योगिक क्षेत्र भिलाई स्थित साईं झूलेलाल धाम, 32 एकड़ में श्रद्धा और उत्सास के साथ मनाया गया। पर्व के अवसर पर समाज की महिलाओं ने ट्रीजड़ी माता का व्रत रखा और सुबह विधि-विधान से माता की स्थापना कर उन्हें झूले में विराजित किया।

दिनभर व्रत रखने के बाद महिलाओं ने रात्रि में ट्रीजड़ी पर्व की पौराणिक कथा सुनी और चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह धार्मिक अनुष्ठान के साथ हुई। समाज की संगठन सचिव कमला भगत ने काले तिल, हरे मूंग और जव से प्रतीकात्मक रूप से ट्रीजड़ी माता की स्थापना की। उन्होंने बताया कि काला तिल ट्रीजड़ी माता का, हरा मूंग हरियाली तथा जव दीर्घायु और उन्नति का प्रतीक माना जाता



है। इसके बाद माता को झूले में विराजित किया गया। महिलाओं ने मंत्रोच्चार के साथ माता को मीठा जल अर्पित कर झूला झुलाया। इसके बाद महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर भजन प्रस्तुत किए और पारंपरिक छेज नृत्य किया। पूरे दिन महिलाओं ने व्रत रखकर पर्व की परंपरा निभाई। समाज के अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र कृष्णानी और महिला अध्यक्ष लक्ष्मी नागदेव ने कहा कि ट्रीजड़ी अर्थात्

तीज सिंधी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, श्रद्धा और पारिवारिक प्रेम का सुंदर प्रतीक है। इस अवसर पर मातृशक्ति विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य, उत्तम स्वास्थ्य और मंगलमय जीवन की कामना करती है। ऐसे आयोजन समाज की गौरवशाली परंपराओं को संजोने और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम हैं।



पौराणिक कथा सुनकर चंद्रमा को दिया अर्घ्य

संध्यकाल में ट्रीजड़ी माता को झूले से उतारकर महिलाओं के बीच विराजित किया गया। इसके बाद समाज की महिलाओं और श्रद्धालुओं ने परिवार के साथ ट्रीजड़ी पर्व की पौराणिक कथा सुनी। आयोजन में समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों का सहयोग रहा। सचिव आदर्श सिंह बादर मंडल अनिल थारवानी ने सभी सहभागियों का आभार व्यक्त किया।

हेल्थ टिप्स

मानसून की विदाई पर खान-पान को लेकर बरतें सावधानी



देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसून अब धीरे-धीरे विदाई की ओर बढ़ रहा है। बारिश का मौसम खत्म होने के साथ ही मौसम में बदलाव शुरू हो जाता है और वातावरण में नमी के साथ तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। यह समय एक ओर जहां ठंड के आगमन का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत भी पैदा करता है। मानसून की विदाई के दिनों में खान-पान की छोटी-सी लापरवाही भी पेट से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। इस दौरान डायरिया, अपच, गैस, कब्ज, उल्टी और फूड पॉइजनिंग जैसी परेशानियों का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए मौसम बदलने के इस दौर में यह जानना जरूरी है कि भोजन में किन चीजों को शामिल किया जाए और किन चीजों से दूरी बनाए रखना बेहतर है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, बरसात के अंतिम दिनों में शरीर को बदलते मौसम के अनुरूप ढलने में कुछ समय लगता है। बारिश के कारण कई जगहों पर पानी और खाद्य पदार्थों के दूषित होने की आशंका बनी रहती है। वहीं, नमी वाले वातावरण में बैक्टीरिया और अन्य सूक्ष्मजीवों के पनपने की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे में यदि साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए या लंबे समय तक रखा हुआ भोजन खाया जाए तो पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है। इसलिए मानसून की विदाई के समय केवल मौसम ही नहीं, बल्कि अपनी थाली पर भी नजर रखना जरूरी है।

बीत रहे मानसून में फूड पॉइजनिंग का खतरा



फूड पॉइजनिंग दूषित भोजन या पेय पदार्थ के सेवन से होने वाली स्वास्थ्य समस्या है। बैक्टीरिया, वायरस या परजीवी से दूषित खाद्य पदार्थ इसके प्रमुख कारणों में शामिल हो सकते हैं। बरसात के मौसम में वातावरण में नमी अधिक होने के कारण भोजन के खराब होने की प्रक्रिया तेज हो सकती है। यदि भोजन को सही तापमान पर न रखा जाए या लंबे समय तक खुले में छोड़ दिया जाए तो उसमें हानिकारक सूक्ष्मजीव पनप सकते हैं। आहार विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मियों से लेकर मानसून की विदाई तक का समय खाद्य सुरक्षा के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान बाहर का खुला भोजन, कटे हुए फल, लंबे समय से रखे सलाद, खुले में बिकने वाले पेय पदार्थ और ठीक से न पकाया गया भोजन संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

फूड पॉइजनिंग होने पर पेट में दर्द, मरोड़, उल्टी, दस्त, कमजोरी और कभी-कभी बुखार जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

मौसम बदलने पर क्यों बढ़ती हैं पाचन संबंधी समस्याएं?



मानसून की विदाई के समय मौसम में तेजी से बदलाव आता है। कभी उमस महसूस होती है तो कभी तापमान में गिरावट आने लगती है। इस दौरान खान-पान की आदतों में भी बदलाव होता है। लोग बारिश खत्म होते ही तला-भुना, मसालेदार और बाहर का भोजन अधिक खाने लगते हैं। दूसरी ओर, बारिश के कारण कई जगहों पर साफ-सफाई और जल निकासी से जुड़ी समस्याएं बनी रहती हैं। दूषित पानी या अस्वच्छ तरीके से तैयार किया गया भोजन पेट के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। इसके अलावा पर्याप्त पानी नहीं पीने से कब्ज और अपच जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए मौसम बदलने के दौरान पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए हल्का, ताजा और संतुलित भोजन करना बेहतर माना जाता है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ ?

विशेषज्ञों के मुताबिक मानसून समाप्त होने के बाद भी कुछ समय तक भोजन और पानी की स्वच्छता को लेकर लापरवाही नहीं करनी चाहिए। सब्जियों और फलों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करना चाहिए। जहां तक संभव हो, ताजा बना भोजन ही खाएं और भोजन को लंबे समय तक कमरे के तापमान पर रखने से बचें। बाहर खाने की स्थिति में भी साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

अल्जाइमर रोग का जोखिम दुनिया भर में बढ़ता हुआ देखा जा रहा

समय पर याद नहीं आता लोगों का नाम और भूलने लगते हैं बहुत कुछ तो हो सकते हैं ‘एनोमिया’ के लक्षण

दुनियाभर में अल्जाइमर रोग का जोखिम बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। साल 2020 के आंकड़ों के मुताबिक 55 मिलियन (5.5 करोड़) से अधिक लोग अल्जाइमर और इसके कारण होने वाली डिमेंशिया रोग के शिकार थे। यह संख्या हर दो दशकों में लगभग दोगुनी होने की आशंका जताई गई है। चीजों को भूल जाने, याददाश्त में कमी, तर्क करने की क्षमता में दिक्कत वाली ये बीमारी उम्र बढ़ने के साथ बहुत आम है। भूलने की समस्या, समय पर चीजों या किसी के नाम को याद न कर पाना सामान्य है। पर अगर आपको अक्सर ये दिक्कत होती रहती है, इसके कारण आपकी दैनिक गतिविधियों पर असर हो रहा है तो इसपर ध्यान दिया जाना जरूरी हो जाता है। कहीं ये किसी न्यूरो-साइकेट्रिक समस्या के कारण तो नहीं है?

लिखते-बोलते समय चीजों या लोगों का नाम न याद आने को 'मिडिकल की भाषा में 'एनोमिया' की दिक्कत कहा जाता है। इस विकार से पीड़ित लोगों को अक्सर ऐसा लगता है कि उनके जीभ पर ही शब्द है पर उसे व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं। एनोमिया भाषा से जुड़ी एक ऐसी समस्या है जिसमें रोजमर्रा की चीजों, लोगों या जगहों के सही नाम याद रखने या उन्हें याद करके बताने में लगातार कठिनाई होती है। जब



यह मुख्य समस्या होती है, तो इसे अक्सर 'एनोमिक अप्फेसिया' कहा जाता है। कहीं आपको या किसी जानने वाले को इस तरह की दिक्कत तो नहीं?

बोलने के लिए समय पर सही शब्द न मिल पाना

अक्सर आपने एक मशहूर भारतीय क्रिकेटर को कई इंटरव्यू के दौरान चीजों या खिलाड़ियों का नाम भूलते हुए देखा होगा। उदाहरण के लिए जैसे उन्हें बताना हो कि किसी खिलाड़ी को फील्डिंग के लिए फाइन लेग पर भेजा और उसने बेहतरनी कैच पकड़ लिया। इसे वह ऐसे बोलते दिखते हैं- मैंने उसे वहां भेजा और उसने बढ़िया कैच पड़ लिया।

हमारे आसपास भी ऐसे लोग हो सकते हैं, जिन्हें आप चीजों का नाम भूलते नोटिस तो करते हैं पर जानकारी के अभाव में इसे कभी समस्या नहीं मानते। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इसपर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की जरूरत है। कुछ स्थितियों में ये अल्जाइमर रोग का लक्षण भी हो सकता है।

एनोमिया की समस्या क्या है ?

एनोमिया या एनोमिक अप्फेसिया को भाषा विकार के रूप में जाना जाता है। इसमें आपके दिमाग में चीजें तो होती हैं पर बोलने के धाराप्रवाह में उसके लिए सही शब्द नहीं मिल पाते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि

स्ट्रोक, सिर में दर्दनाक चोट या ट्यूमर के कारण होने वाली ब्रेन डैमेज की समस्या इसका कारण बन सकती है। विशेषज्ञ बताते हैं, एनोमिया की समस्या को मुख्यरूप से मस्तिष्क के बाएं हिस्से में होने वाली क्षति का परिणाम माना जाता है। दाएं हाथ वाले लोगों के लिए मस्तिष्क का बायां हिस्सा भाषा को नियंत्रित करने और इसके चयन में मदद करता है। हालांकि एनोमिया के लिए हर बार जरूरी नहीं है कि मस्तिष्क में चोट लगी हो।

अल्जाइमर रोग से इसका संबंध

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ सत्यकांत त्रिवेदी बताते हैं,



इस तरह की समस्याओं पर ध्यान देना इसलिए जरूरी है क्योंकि अल्जाइमर रोग और डिमेंशिया जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के शुरुआती चरणों में भी एनोमिया के लक्षण हो सकते हैं। इसके अलावा लंबे समय से तनाव के शिकार लोगों में स्ट्रोक होने का जोखिम बढ़ जाता है जो एनोमिक अप्फेसिया का कारण बन सकती है। समय पर इन समस्याओं का निदान और उपचार प्राप्त करके कई तरह के न्यूरोसाइकेट्रिक विकारों के खतरे कम को करने में मदद मिल सकती है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ ?

डॉ सत्यकांत कहते हैं, अगर आपको लगता है कि आप या आपके किसी परिचित में एनोमिया के लक्षण हैं तो उन्हें उचित निदान और इलाज लेने की सलाह दें। स्पीच और विजुअल एक्शन थेरेपी आदि की मदद से इस तरह की समस्याओं में आराम पाया जा सकता है।

बाजार जैसा लच्छा पराठा बनाएं स्वाद जीत लेगा सबका दिल

नाश्ता हो या फिर लंच व डिनर गमगर्म पराठे हर मौके पर लजीज लगते हैं। पराठे ग्रेवी सब्जी से झाड़ सब्जी तक के साथ खाने में स्वादिष्ट लगते हैं। अधिकतर लोगों को पराठा पसंद होता है। पराठे के तरह से बनते हैं। लेकिन जब पराठे में ढेर सारी परते होती हैं तो उसका स्वाद दोगुना हो जाता है। लच्छा पराठा तो खाने के जायजा ही बरल देता है पर आमतौर पर घर पर लोग कई लेयर्स या परतों वाला पराठा नहीं बना पाते। इसे आप लच्छा पराठा भी कह सकते हैं। पराठे में जितनी ज्यादा परते होती हैं, उसका स्वाद उतना ही अच्छा लगता है। बाजार के लच्छा पराठा खाने के लिए आप पैसे खर्च करते हैं लेकिन हम आपको बताने जा रहे हैं 7 लेयर पराठा बनाने की रेसिपी। लच्छा पराठा बनाने की कुछ आसान टिप्स और ट्रिक्स हैं, जिन्हें फॉलो करके आप मिन्टी में परफेक्ट पराठा बना सकते हैं।

लच्छा पराठा बनाने का तरीका

गेहूं के आटे, मैदे और पानी को मिलाकर आटा गूंथ लें। आटा गूंथते समय इसमें थोड़ा तेल या घी मिलाएं।आटे को 15 मिनट के लिए ढक कर अलग रख दें। अब आटे की एक बड़ी लोई बेलें। इस लोई में से 7 पतली लेयर्स काट लींजिए। फिर इन सातों लेयर्स पर तेल और सूखा आटा लगाइए और एक के ऊपर एक रखते जाइए। सातों परतों को एक के ऊपर एक रख कर मोड़कर लोई बना लींजिए। इस लोई को हल्के हाथों से बेलें। धीरे धीरे से पराठे का आकार दे दींजिए। अब गैस पर तवा रखकर गमं करें और उसपर बेला हुआ पराठा रखें। स्टेप 8-पराठे को एक तरफ सेंक लें, हल्का भूरा होने पर पलट कर घी लगा लें।



उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन अनुशासन, समर्पण, निरंतर अभ्यास और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और स्वस्थ भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर विश्वविद्यालय परिवार ने रस्वस्थ युवा—सशक्त भारत के संकल्प को दोहराते हुए नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने का संदेश दिया। राष्ट्रीय खेल दिवस का यह आयोजन मेजर ध्यानचंद की खेल भावना और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को समर्पित रहा।

कार्नर न्यूज

खानपान नियंत्रित रखें तो ब्लड प्रेशर सहित कई समस्याओं में मिलेगा लाभ

हड्डियों को रखना है मजबूत तो ध्यान दें अपने खान-पान पर, जल्द दिखने लगेगा असर



नमक के कारण शरीर में कम हो जाता है कैल्शियम

हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए जिन पोषक तत्वों को सबसे आवश्यक माना

जाता है, कैल्शियम उनमें से एक है। अध्ययनों में पाया गया है कि यदि आप बहुत अधिक मात्रा में नमक वाली चीजों का सेवन करते हैं तो यह शरीर में कैल्शियम की कमी का कारण बन सकती है। जितना अधिक नमक आप खाते हैं, उतना अधिक

कैल्शियम आपके शरीर से निकल जाता है, जिसका अर्थ है कि यह आपकी हड्डियों के लिए भी बहुत हानिकारक है। एक दिन में 2,300 मिलीग्राम से कम सोडियम लेने का लक्ष्य रखें।

ज्यादा नमक हार्ट के लिए भी ठीक नहीं

रक्तप्रवाह में सोडियम का बढ़ा हुआ स्तर किडनी से पानी निकालने की क्षमता को कम कर देता है, जिससे शरीर की रक्त वाहिकाओं पर तनाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप अंततः स्ट्रोक और हार्ट फेलियर जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। चूंकि किडनी अतिरिक्त नमक को बाहर निकालने के लिए लगातार काम करती है, इसलिए यह स्थिति किडनी की भी बीमारियों का कारण बन सकती है। सोडियम की अधिकता से होने

वाली इन समस्याओं को भी जानिए सोडियम/नमक का अत्यधिक सेवन हमारे शरीर के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है।इसका मांसपेशियों-हड्डियों से लेकर कई अन्य अंगों पर भी गंभीर दुष्प्रभाव हो सकता है। मुख्य रूप से हृदय की मांसपेशी की समस्या, सिरदर्द- किडनी के रोग, ऑस्टियोपोरोसिस, दिल की धड़कनों की समस्या, उच्च रक्तचाप, किडनी की पथरी और पेट के कैंसर का जोखिम रहता है।



दोनों वर्ग में उद्घाटन मैच धमतरी और बिलासपुर टीम के नाम रहा

भिलाई। 26वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सब जूनियर बॉल बैडमिंटन बालक एवं बालिका प्रतियोगिता का आयोजन 1 सितंबर से 3 सितंबर तक, भिलाई के बीएसपी बैडमिंटन कंपलेक्स, सेक्टर- 4 में किया जा रहा, जिसमें राज्य की विभिन्न जिलों से टीम में भाग ले रही है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन शानदार मुकाबले खेले गए, बालिका वर्ग में प्रथम मैच धमतरी और कांकेर जिले के बीच खेला गया जिसमें धमतरी जिले ने 35-21, 35-26 से जीत हासिल की। वहीं द्वितीय मैच में दुर्ग जिले का सामना बिलासपुर जिला से हुआ। जिसमें बिलासपुर जिले में 35-21 39-37 से जीत हासिल की और बस्तर जिले से गरियाबंद जिले का आमना-सामना हुआ। जिसमें बालक वर्ग में प्रथम मैच रायपुर और धमतरी जिले के जिले के बीच खेला गया। जिसमें धमतरी जिले में 35-25 35-26 से जीत हासिल की। वहीं दूसरे मैच में धमतरी का सामना महासमुंद जिले से हुआ। जिसमें धमतरी जिले में 30-35 35-31 और 37-35 से जीत अपने नाम की। इसके पहले उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि



ओलंपियन, अर्जुन अवार्ड से सम्मानित राजेंद्र प्रसाद, उप महाप्रबंधक, कीड़ा संस्कृत एवं नागरिक सुविधाएं, भिलाई इस्पात संयंत्र थे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राजेंद्र प्रसाद ने बच्चों को लगन एवं निष्ठा के साथ पढ़ाई एवं खेल में अनुशासन एवं लगन के साथ आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। खेल के मैदान में अनुशासन एवं कोचेस द्वारा दी गई टिप्स का अनुसरण कर आगे बढ़ाने को कहा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बाल बैडमिंटन संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इसरार अहमद खान, भिलाई इस्पात संयंत्र बॉल बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष रज्जी उनोनोनी, उप माहा प्रबंधक (सेवानिवृत्ति) ब्लास्ट फर्नेस, भिलाई इस्पात संयंत्र डी वी एस रेड्डी (सचिव) जीएल प्रसाद भिलाई इस्पात संयंत्र बॉल बैडमिंटन क्लब, श्यामल बनर्जी कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ, अंकित लुनिया के रेफरी गोपाल साहू, सेवन दास, चिंतामणि केशव, केसर ऋतु ठाकुर, रमेश सिंह और सूरज नायक सभी रेफरी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि 26 वीं छत्तीसगढ़ सब जूनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता (बालक एवं बालिका) का आयोजन राज्य संघ के तत्वधान में भिलाई इस्पात संयंत्र खेल परिसर सेक्टर 4 में 03 सितंबर तक चलेगा।

इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों की टीमें भाग लेंगी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छत्तीसगढ़ सब जूनियर बालक एवं बालिका टीमों का चयन किया जाएगा। चर्यानित खिलाड़ी भिलाई में 03 से 07 अक्टूबर तक आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता 15 वर्ष से कम आयु के बालक और बालिकाओं के लिए होगी और इसके लिए प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 24 सितंबर रखी गई है।



अंदाज मेरा मस्ताना

रैंप पर अंदाज, आत्मविश्वास और ग्लैमर का शानदार संगम। बोल्ड ब्लू आउटफिट, आकर्षक प्रिंट, स्टाइलिश हेडगियर और खूबसूरत एक्सेसरीज इस लुक को बनाती हैं खास। बदलते फैशन ट्रेंड्स के बीच यह अंदाज बताता है कि सही स्टाइल वही है, जिसमें व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और अपनी अलग पहचान साफ नजर आए।

लाइफ स्टाइल



डीप नेक ब्लाउज

में दिखेंगी स्टनिंग, इन टिप्स को करें फॉलो

जब हम साड़ी या लहंगा पहनते हैं तो उसमें स्टाइलिश दिखने के लिए ब्लाउज को कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल करवाते हैं। इनमें डीप नेक ब्लाउज यकीनन काफी स्टाइलिश लगते हैं। डीप नेक ब्लाउज आपको एक स्टेटमेंट लुक देते हैं। हालांकि, इन्हें सही तरह से स्टाइल करना बेहद जरूरी होता है, ताकि आप एलीगेंस के साथ इसे कैरी कर सकें।

ब्लाउज के साथ ब्रा पर दें ध्यान

जब आप डीप नेक ब्लाउज को स्टाइल कर रही हैं तो आपको उसके साथ-साथ ब्रा पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर आपकी ब्रा सही नहीं होगी तो यह ब्लाउज में विजिबल होगी। ऐसे में आपका पूरा लुक ही बिगड़ जाएगा। कोशिश करें कि आप ऐसी ब्रा चुनें, जो आपके ब्लाउज की



नेकलाइन को कॉम्प्लीमेंट करती हो। आप चिपकने वाली या सिलिकॉन ब्रा पहन सकती हैं।

स्टाइलिश हो एक्सेसरीज

जब आप डीप नेक ब्लाउज कैरी करती हैं तो उसके साथ सही एक्सेसरीज पहनकर आप एक स्टेटमेंट लुक कैरी कर सकती हैं। मसलन, डीप नेक ब्लाउज के साथ चंकी नेकलेस या चोकर स्टाइल किया जा सकता है।

फिटिंग को करें चेक

डीप नेक ब्लाउज में आपका लुक तभी अच्छा लगता है, जब उसकी फिटिंग अच्छी हो। सही ढंग से सिलवाया गया ब्लाउज न केवल

दिखने में अच्छा लगेगा, बल्कि इससे आपको सही कवरेज भी मिलेगा।

रहें कॉन्फिडेंट

डीप नेक ब्लाउज देखने में काफी स्टनिंग लगता है। लेकिन इसमें आपका लुक तभी स्टाइलिश लगता है, जब आप इसे कॉन्फिडेंटली कैरी करें। कई बार ऐसा होता है कि हम स्टाइलिश दिखने के लिए डीप नेक ब्लाउज पहनते हैं। लेकिन कंफर्टेबल फील नहीं करते हैं, जिससे वह लुक नहीं मिल पाता है, जो वास्तव में मिलना चाहिए।

डोरी का करें इस्तेमाल

जब आप डीप नेक ब्लाउज पहन रही



हैं तो ऐसे में बैक में डोरी लगाना यकीनन काफी अच्छा रहता है। बैक में डोरी व लटकन लगाने से ना केवल ब्लाउज स्टाइलिश लगते हैं। बल्कि डोरी ब्लाउज को आपके कंधों से फिसलने से भी बचाता है।

घर पर फुट स्पा करते हुए इन टिप्स को करें फॉलो

अक्सर छुट्टी के दिन खुद को पैम्पर करने के लिए या फिर अपनी थकान दूर करने के लिए हम घर पर ही फुट स्पा करते हैं। यह यकीनन खुद को आराम पहुंचाने का एक अच्छा तरीका है।

अपने सामान को करें इकट्ठा

अगर आप घर पर फुट स्पा कर रही हैं तो ऐसे में आपको सबसे पहले सारा सामान इकट्ठा करना चाहिए। दरअसल, जब आप फुट स्पा करती हैं तो ऐसे में बीच में आपको सामान देने के लिए कोई नहीं होगा। इसलिए, आप फुट स्पा के दौरान काम में आने वाली चीजें जैसे टब, एस्पम सॉल्ट, गर्म पानी, तैलिए, फुट स्क्रब, मॉइश्चराइजिंग लोशन, नेल क्लिपर, फाइल आदि को एक जगह रखें। इससे आपके लिए फुट स्पा करना अधिक रिलैक्सिंग होगा।

पैरों को करें प्रिपेयर

सुनने में आपको शायद अजीब लगे, लेकिन फुट स्पा करने से पहले अपने पैरों को प्रिपेयर करना भी उतना ही जरूरी होता है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि आप पहले अपने नेल्स को काटकर शोप दें। साथ ही, अगर नेल्स पर नेल पॉलिश लगी है तो उसे रिमूव कर दें और पैरों को



अच्छी तरह धो लें।

पानी के टेंपरेचर का रखें ध्यान

फुट स्पा के दौरान आपको पानी के टेंपरेचर का खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए। अगर पानी बहुत अधिक गर्म या ठंडा होता है तो इससे आपको स्पा का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है।



अगर आप दोमुंहे बालों की समस्या से परेशान हैं, तो इससे छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खे आजमा सकती हैं। स्प्लिट एंड्स यानि दोमुंहे बाल तब होते हैं जब बाल बहुत रुखे हो जाते हैं, जिसकी वजह से छल्ली, जो बालों की सबसे ऊपरी सुरक्षात्मक परत होती है, बालों के सिरों से अलग हो जाती है और फिर सिरों दो भागों में बंट जाते हैं। बालों के सिरों को समय-समय पर ट्रिम करना दोमुंहे बालों को रोकने का एक आसान तरीका है। लेकिन आप कई घरेलू उपचार या फिर टिप्स की सहायता से इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं। दोमुंहे बालों को कम करने आप गर्म तेल की मदद ले सकती हैं। बस आप हफ्ते में दो बार शुद्ध नारियल तेल को गर्म करके अपने बालों में लगाएं। साथ ही, दोमुंहे बालों के सिरों पर भी लगाएं। फिर एक तैलिये को गर्म पानी में डुबाएं और पानी को निचोड़ें। फिर गर्म तैलिया को सिर पर पगड़ी की तरह लपेट दें। इसे 5 मिनट तक लगाकर ऐसे ही रहने दें। आप अपने सिर पर गर्म तैलिया को लपेटने की प्रक्रिया को कम से कम 3 से 4 बार दोहराएं। यह बालों और स्कैल्प के तेल को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे दोमुंहे बाल खुद ही ठीक हो जाते हैं।

कार्नर न्यूज

ये टिप्स मदद करेंगे आपको अच्छे से ग्रूम होने और बने रहने में

चाहिए 'ग्रूम्ड मेन' का टाइटल तो इन बातों को कीजिए लाइफस्टाइल में शामिल, लोग करेंगे खुलकर तारीफ

फाउंडेशन लगाते वक्त रखें इन बातों का ध्यान



जब कोई महिला मेकअप करने बैठती है तो उसके लिए सही तरह का फाउंडेशन का इस्तेमाल करना और सही से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है। अगर आप फाउंडेशन का इस्तेमाल करने का सोच रही हैं, तो सबसे पहले सही फाउंडेशन का होना बेहद जरूरी है। अगर ये आपकी स्किन टोन और टाइप के हिसाब का नहीं होगा तो हो सकता है कि इसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा एक शोड डार्क या फिर एकदम सफेद दिखने लगे। अगर आप फाउंडेशन का इस्तेमाल सही तरीके से करेंगी तो आपका लुक एकदम नेचुरल आएगा। क्या आप जानती हैं कि

फाउंडेशन को लगाने से पहले सही से ब्लेंड करना चाहिए। ये जितना अच्छे से ब्लेंड होगा, उतना ही इसका लुक निखर कर आएगा। अगर आपके चेहरे पर पिंपल्स या अन्य दाग-धब्बे हैं तो कंसीलर का इस्तेमाल स्वाभाविक है। ऐसे में इसका इस्तेमाल फाउंडेशन के बाद ही करें वरना कंसीलर की वजह से फाउंडेशन का शोड खराब हो सकता है। अगर आप लिक्विड फाउंडेशन का इस्तेमाल कर रही हैं तो स्किन पर फैलाने के लिए ब्रश की मदद लेनी चाहिए।



‘ग्रूम्ड मेन’ कौन नहीं कहलाना चाहंगा? आप भी ऐसा चाहते ही होंगे। पर इसके लिए आपने किया क्या है? अच्छे से तैयार हो जाते हैं? बस...अगर हां तो कुछ बातें ऐसी हैं जिनके बिना आप ‘ग्रूम्ड मेन’ वाले रास्ते पर

बिल्कुल नहीं चल रहे हैं।

टाइम पर हेयर कट

ज्यादातर पुरुष जब समय मिलता है या फिर जब बालों से दिक्कत होने लगे तब ही बाल कटाने जाते हैं। लेकिन बालों के बढ़ते ही फिर वही रूटीन कि ‘ज्यादा बढ़ेंगे तब कटा लेंगे।’ ये आदत गलत है। हर पुरुष के ग्रूम्ड लुक के लिए सही समय पर हेयर कट जरूरी है। और ये नियम फिक्स होना चाहिए। आपको फिक्स अपॉइंटमेंट पर हर कुछ दिन में हेयर कट करा ही लेना चाहिए।

आपकी वाली खुशबू

आप पूरी तरह से तैयार हैं और आपसे



एक खास तरह की खुशबू भी आ रही है तो आप ग्रूम्ड मेन वाले खांचे में आसानी से फिट बैठ पाएंगे।

दांतों का रखिए ध्यान

जैसे आपकी आंखें, आपके दिल का हाल कह देती हैं, ठीक वैसे ही आपके दांत भी आपके कैरेक्टर को बयां कर देते हैं। अपनी ग्रूमिंग करने हुए दांत की

सफाई में आप कितना समय देते हैं? ज्यादातर लोग कहेंगे कि रूटीन वाली सफाई करते ही हैं।

स्क्रब भी करें इस्तेमाल

स्क्रब एक ऐसा प्रोडक्ट है जो अभी भी ज्यादातर लोगों की ग्रूमिंग में शामिल नहीं हुआ है। जबकि स्क्रब का नियम से इस्तेमाल स्किन को हमेशा जवां रखता है। स्क्रब वो लें जिसमें नेचुरल इंग्रिडिएंट्स हों जैसे ओट्स, एप्रिकॉट। इसके इस्तेमाल करने से स्किन की गंदगी निकल जाती है और ये फ्रेश एकदम हो जाती है।

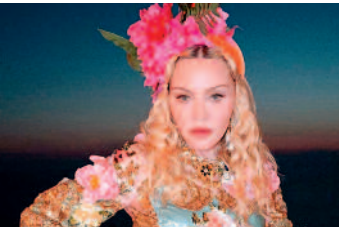
डार्क सर्कल का करें उपाय

अगर समय की आपाधापी और नींद की कमी से आपकी आंखों के आसपास डार्क सर्कल हो गए हैं तो इनका इलाज भी आपको कर लेना चाहिए।

म्यूजिक अवॉर्ड्स में मैडोना सबसे आगे, टेलर और शकीरा की भी मौजूदगी

हॉलीवुड

एमटीवी वीडियो म्यूजिक अवॉर्ड्स प्रोग्राम लॉस एंजिल्स में होने वाला है। इसमें जिन लोगों को नॉमिनेट किया गया है, उसमें मैडोना सबसे आगे हैं। 2026 एमटीवी वीडियो म्यूजिक अवॉर्ड्स के नॉमिनेशन का एलान हो गया है। इसमें पॉप आइकन मैडोना 11 वोटों के साथ सबसे आगे हैं। मैडोना के ठीक बाद टेलर स्विफ्ट नौ वोटों के साथ दूसरे नंबर पर है। इसी तरह से एरियाना ग्रैंडे और सबरीना कारपेंटर को सात-सात वोट मिले हैं। म्यूजिक अवॉर्ड्स में वोट पाने वाले दूसरे लोग ब्रूनो मार्स, जारा लार्सन और पिकैपैथरेस हैं। इन लोगों को पांच-पांच वोट मिले हैं। ब्लैकपिंक की लिसा को चार वोट मिले हैं। टेट मैकैरे और शकीरा तीन-तीन वोट के साथ बराबरी पर हैं। म्यूजिक अवॉर्ड्स इस साल लॉस एंजिल्स के पीकोक थिएटर में होने वाले हैं, यह नौ साल में पहली बार है जब यह शो वेस्ट कोस्ट पर होगा। इसे आखिरी बार 2017 में लॉस एंजिल्स से ब्रॉडकास्ट किया गया था और इसे कैटी पेरी ने होस्ट किया था। दो घंटे का यह शो 27 सितंबर को एयर होगा। इस बीच, आर्टिस्ट ऑफ द ईयर के लिए मैडोना, टेलर स्विफ्ट, एरियाना ग्रैंडे, कारपेंटर, मार्स और मॉर्गन वॉलन जैसे लोग मुकाबला करेंगे।



ब्रह्मानंदम के बड़े भाई हुए भावुक, कहा- वो मुझे कभी फोन नहीं करता

टॉलीवुड

साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और ‘किंग ऑफ कॉमेडी’ के नाम से मशहूर ब्रह्मानंदम इन दिनों अपनी फिल्मों की वजह से नहीं, बल्कि अपने बड़े भाई के एक भावुक बयान को लेकर चर्चा में हैं। ब्रह्मानंदम के बड़े भाई श्रीवादन ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि उनका छोटा भाई लंबे समय से उन्हें फोन नहीं करता। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रह्मानंदम हाल ही में उनके शहर आए थे, लेकिन उनसे मिलने नहीं पहुंचे। श्रीवादन ने भावुक होते हुए कहा कि ब्रह्मानंदम थले ही बहुत बड़े अभिनेता हैं और फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त रहते हैं, लेकिन अपने बड़े भाई से बात करने के लिए एक-दो मिनट तो निकाल ही सकते हैं। उनका यह इंटरव्यू अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। श्रीवादन ने परिवार के बारे में बात करते हुए कहा, “हम छह भाई-बहन थे। चार गुजर चुके हैं और हममें से सिर्फ दो ही बचे हैं। मैं अपने होमटाउन में अकेला रह गया हूं। उन्होंने बताया कि ब्रह्मानंदम हाल ही में उनके शहर आए थे, लेकिन उनसे मिलने नहीं आए। श्रीवादन ने कहा कि उन्हें अब भी उम्मीद रहती है कि उनका छोटा भाई कभी फोन करके उनका हाल पूछेगा।



भोजपुरी

अक्षरा की मां पहुंचीं जिम, लोगों ने चूड़ियों पर सवाल उठाए तो मिला तगड़ा जवाब

भोजपुरी

अक्षरा सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उनकी मां उन्हें जिम वर्कआउट के मामले में टक्कर देती दिख रही हैं। हालांकि, कुछ लोगों ने उनके हाथों



में भरी चूड़ियां देखकर उनका मजाक उड़ाया है, वहीं किसी ने कहा- यूपी बिहार की सुहागिनों की पहचान होती है कांच की चूड़ियां। भोजपुरी सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपनी फिल्मों और गानों के साथ-साथ अपनी प्राइवेट लाइफ से जुड़ी खास पलों की झलकियां सोशल मीडिया पर जब-तब शेयर करती रहती हैं। कई बार अक्षरा अपनी मां नीलिमा सिंह के साथ भी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं और इस बार उन्होंने यही झलकियां जिम से शेयर की हैं। अक्षरा का मां के साथ एक मजबूत रिश्ता है जो अक्सर सोशल मीडिया पर देखने को मिलता है। इस कड़ी में एक बार भी अक्षरा ने अपनी मां के साथ मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। अक्षरा सिंह ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया। इसमें वह अपनी मां के साथ जिम में नजर आ रही हैं।